Patrika (Indore), 23rd September 2026, Page - 05

हाइड्रो इंटरनेशनल 2026 में 500 विशेषज्ञ करेंगे मंथन

नदी बचाने से लेकर बाढ़-सूखा रोकने तक, आइआइटी इंदौर में जुटेंगे जल विशेषज्ञ, नई तकनीकों पर मंथन

इंदौर @ पत्रिका. जल संकट और बाढ़-सूखे के बढ़ते खतरे के बीच पानी के बेहतर प्रबंधन पर जोर दिया जा रहा है। इसी दिशा में आइआइटी इंदौर 17 से 19 दिसंबर तक हाइड्रो इंटरनेशनल 2026 का आयोजन करेगा। इस तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भारत और विदेशों से करीब 500 शिक्षाविद्, वैज्ञानिक, नीति-निर्माता और शोधकर्ता शामिल होंगे। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य नदियों को बचाना, बाढ़-सूखे का जोखिम कम करना और जल प्रबंधन में नई तकनीकों का उपयोग करना है। यह आयोजन आइआइटी इंदौर के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा इंडियन सोसाइटी फॉर हाइड्रोलिक्स के तत्वावधान में किया जा रहा है। जल शक्ति मंत्रालय की राष्ट्रीय नदी संरक्षण योजना के तहत नर्मदा, महानदी, कृष्णा, कावेरी, गोदावरी और पेरियार नदी बेसिनों पर विशेष तकनीकी सत्र होंगे। इनमें नदी बेसिनों की मौजूदा स्थिति का आकलन और संरक्षण योजनाओं पर चर्चा की जाएगी। तकनीकी सत्रों में हाइड्रोलिक्स, जल विज्ञान, नदी अभियांत्रिकी, भूजल, जलवायु परिवर्तन और बांध सुरक्षा जैसे विषयों पर विशेषज्ञ विचार साझा करेंगे। जल संसाधन प्रबंधन में एआइ और मशीन लर्निंग (एमएल) के इस्तेमाल पर भी चर्चा होगी। आइआइटी इंदौर के निदेशक सुहास जोशी ने कहा कि स्मार्ट और मजबूत जल प्रबंधन की आवश्यकता बढ़ी है।